



झारखंड सरकार ने पेंशन योजना के लिये आयु घटाई

चर्चा में क्यों?

हाल ही में, झारखंड कैबिनेट ने अपनी [वृद्धावस्था पेंशन योजना](#) में 50 वर्ष से अधिक उम्र की सभी महिलाओं, [आदिवासियों](#) और दलितों को शामिल करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी।

- पहले 60 वर्ष से ऊपर वालों को योजना का लाभ मिला था, जिसके तहत प्रत्येक लाभार्थी को प्रतिमाह 1,000 रुपए प्रदान किये जाते हैं।

मुख्य बद्दि:

- यह पहल **मुख्यमंत्री राज्य वृद्धावस्था पेंशन योजना** के अंतर्गत आती है। इस निर्णय से करीब 18 लाख लोगों को लाभ होगा।
 - कुल **35.68 लाख लोगों को योजना का लाभ मिला चुका है।**
- कैबिनेट ने गर्भवती महिलाओं को 'मातृ कटि'** वतिरण समेत 25 अन्य प्रस्तावों को भी मंजूरी दी।
 - लगभग 1,500 रुपए की कीमत वाली इस कटि में एक **मच्छरदानी, एक सूती साड़ी, एक सूती तौलिया और एक टूथपेस्ट** सहित **14 सामग्रियाँ** होंगी। इससे 6 लाख गर्भवती महिलाओं को लाभ होगा।
- कैबिनेट ने कई अन्य स्वीकृतियाँ भी दीं, जैसे:
 - राज्य पछिड़ा आयोग के अध्यक्ष पद पर योगेन्द्र प्रसाद की तीन वर्षों के लिये नियुक्ति।**
- गुमला ज़िले के वृंदा नायक टोली गाँव की रहने वाली **वनीता ओराँव को रोजगार और 5 लाख रुपए का नकद पुरस्कार।**
 - ओराँव ने 5 मई, 2020 को एक हमले के दौरान **प्रतिबंधित पीपुल्स लबरेशन फ्रंट ऑफ इंडिया (PLFI)** के एक एरिया कमांडर को मार डाला।
- 146 मध्य विद्यालयों को उच्च विद्यालयों में उत्क्रमित करना।**

मुख्यमंत्री राज्य वृद्धावस्था पेंशन योजना

- इस योजना का प्राथमिक उद्देश्य राज्य के **कमज़ोर बुजुर्ग नागरिकों को वित्तीय सहायता प्रदान करना है।**
- 1,000 रुपए मासिक पेंशन** के प्रावधान के माध्यम से, सरकार का लक्ष्य वरिष्ठ नागरिकों को उनकी वित्तीय आवश्यकताओं के लिये दूसरों पर निर्भरता को कम करना है।
- यह योजना **बुजुर्ग नागरिकों, विशेषकर गरीबी रेखा से नीचे रहने वाले लोगों के लिये आत्मनिर्भरता पर जोर देती है।**

पीपुल्स लबरेशन फ्रंट ऑफ इंडिया (PLFI)

- यह वर्ष 2007 में झारखंड में गठित एक **उग्रवादी माओवादी संगठन है।**
- पहले इसे झारखंड लबरेशन टाइगर्स (JLT) के नाम से जाना जाता था, जिसकी स्थापना वर्ष 2003 में झारखंड के खूंटी ज़िले के **नवासी दनिश गोप** ने की थी।

झारखण्ड राज्य पछिड़ा आयोग

- यह एक स्थायी निकाय है जिसका गठन **झारखंड राज्य पछिड़ा वर्ग आयोग अधिनियम, 2002** के प्रावधानों के अनुसार किया गया है।

